दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

शहागढ़ की महिला पर गेवराई में फायरिंग

बीड़, १० (प्रतिनिधि)

शहागढ़ से गेवड़ाई खरीदारी के लिए आई एक महिला पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा फायरिंग की घटना शनिवार शाम को घटी। इस घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। शनिवार देर रात उसे बीड़ ज़िला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां छाती में गोली फँसने के कारण आगे के उपचार के लिए उसे छत्रपति संभाजीनगर भेज दिया गया।

घायल महिला का नाम शीतल कटमिल्ला पवार (उम्र ३० वर्ष), निवासी शहागढ़, खामगांव (ता. अंबड) बताया गया है। वह अपनी एक सहेली के साथ खरीदारी के लिए गेवड़ाई आई थी। इस दौरान मुंह ढके हुए दो से तीन लोगों ने दोनों महिलाओं पर हमला किया और मारपीट की। मारपीट के दौरान जान बचाने के लिए दोनों अलग-अलग दिशाओं में भाग गईं। इसके बाद घायल अवस्था में एक महिला को बीड़ ज़िला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जांच के दौरान एक्स-रे में छाती में गोली पाई गई, जिससे फायरिंग की पुष्टि हुई। यह घटना गेवड़ाई में घटित होने का दावा किया जा रहा है।

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३६१ वा | सोमवार ११ ऑगस्त २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

दबंग नेता हाजी अरफ़ात शेख के मज़बूत नेतृत्व में

कुरैशी समाज व किसानों पर हो रहे अन्याय के ख़िलाफ़ आवाज़ बुलंद करने बीड़ के मेले में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों : जावेद भैया कुरैशी

काज़ी अमान / बीड़

राज्य के स्वयंभू गोरक्षकों द्वारा मुस्लिम खटीक समाज को निशाना बनाकर उन पर अन्याय और अत्याचार किए जा रहे हैं। इस अन्याय के विरोध में आवाज़ उठाने और कुरैशी व पशुपालक किसानों के हित में सरकार से ठोस निर्णय लेने की मांग को लेकर राज्य मुस्लिम खटीक समाज सेवा संस्था का भव्य राज्यस्तरीय मेला, संस्था के संस्थापक अध्यक्ष हाजी अरफ़ात शेख की अध्यक्षता में सोमवार, ११ अगस्त २०२५ को शाम ६ बजे बीड़ के बार्शी नाका रोड स्थित आशीर्वाद लॉन्स में आयोजित किया गया है। इस मेले में कुरैशी, किसान तथा हिंदू-मुस्लिम भाइयों से बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील संस्था के राज्य उपाध्यक्ष जावेद भैया कुरैशी ने की है।

रविवार सुबह बीड़ में आयोजित पत्रकार परिषद में बोलते हुए जावेद भैया कुरैशी ने कहा कि, महाराष्ट्र राज्य में और राज्य से बाहर के स्वयंघोषित गोरक्षक, जिन्हें कोई कानूनी अधिकार नहीं है, रास्तों में रोककर कुरैशी समाज के लोगों से लूटपाट और मारपीट करते हैं। इतना ही नहीं, वे जबरदस्ती मवेशी और पैसे भी ले जाते हैं। दुख की बात यह है कि जब इस बारे में पुलिस से शिकायत करने जाते हैं तो शिकायत दर्ज नहीं की जाती। इस कारण कुरैशी समाज ने चरणबद्ध तरीके से बड़े मवेशियों की खरीद-बिक्री बंद करने का सख़्त निर्णय लिया, जिसके चलते राज्य के लगभग सभी मवेशी बाजार ठप हो गए हैं और इसका सबसे अधिक

नुकसान किसानों को हो रहा है। जो किसान मवेशियों को पालते हैं, उन्हें बड़ा करते हैं, वही उन्हें बेच नहीं पा रहे हैं और आर्थिक संकट में फँस गए हैं।

इस अन्याय के विरोध में और सरकार से कुरैशी समाज व पशुपालक किसानों के हित में निर्णय लेने की मांग को लेकर राज्य मुस्लिम खटीक संगठन मैदान में उतरा है। यह संगठन हाजी अरफ़ात शेख के नेतृत्व में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से मुलाक़ात कर उन्हें लिखित ज्ञापन सौंपेगा। आगे की रणनीति तय करने के लिए हाजी अरफ़ात शेख की अध्यक्षता में बीड़ शहर के बार्शी रोड स्थित आशीर्वाद लॉन्स में सोमवार शाम ६ बजे राज्यस्तरीय मेला आयोजित किया गया है।

जावेद भैया कुरैशी ने आगे कहा कि, साप्ताहिक बकरा-बाज़ार का टैक्स रसीद होने के बावजूद, गोरक्षा के नाम पर कुछ गुंडे रात में या आधी रात को वाहनों को रोककर मारपीट करते हैं और मवेशी तथा पैसे लूट लेते हैं। भैंसें होने पर भी उन्हें गाड़ी से उतारकर ले जाते हैं। इन घटनाओं पर रोक लगाने और स्वयंघोषित गोरक्षकों पर अंकुश लगाने के लिए इस मेले में चर्चा कर ठोस निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि, राज्य में लागू गोवंश क़ानून का हम सम्मान करते हैं और कभी भी गाय की हत्या नहीं करते, लेकिन कुछ स्वयंघोषित संगठन और उनके गुंडे झूठी और नकारात्मक बातें फैलाकर निर्दोष कुरैशी भाइयों पर अन्याय करते हैं। इस अन्याय के विरोध में आवाज़ उठाने के लिए कुरैशी समाज, किसान और हिंदू-मुस्लिम भाइयों से इस मेले में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।

इस अवसर पर कुरैशी समाज के बीड़ ज़िलाध्यक्ष हाजी अब्दुल जब्बार कुरैशी, संगठन के ज़िलाध्यक्ष मुश्ताक कुरैशी, इलियास कुरैशी, रफ़ीक कुरैशी, हाजी जमील कुरैशी, हाजी अरमान कुरैशी, मजीद कुरैशी, हाजी जे.डी. शाह, सैयद एजाज़, इरफ़ान कुरैशी, सोहेल कुरैशी, जुबैर कुरैशी, अश्फ़ाक कुरैशी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

ग़रीबों के अतिक्रमण पर हथौड़ा, लेकिन भू-माफ़ियाओं को लाल कालीन - सरकारी कर बकाया रखने वालों को छूट, नगर परिषद प्रशासन का अजब कारनामा : डॉ. गणेश धवले

बीड़, दि. १० - शनिवार ९ अगस्त को नगरपालिका प्रशासन ने बीड़ में ट्रैफ़िक अवरोध दूर करने के नाम पर सिर्फ़ ३ घंटे में ५० ग़रीबों के अतिक्रमण पर कार्रवाई कर उनके रोज़गार पर चोट पहुँचाई। उपमुख्यमंत्री अजित पवार जब भी बीड़ दौरे पर आते हैं, तो नगर परिषद शहर के ग़रीब चाय-ठेला संचालकों, टपरीधारकों, छोटे-बड़े दुकानदारों, फल विक्रेताओं और रोज़ कमाकर खाने वालों के ट्रैफ़िक में बाधा बताकर उनके अतिक्रमण हटाती है। लेकिन बीड़ शहर की नगरपालिका सीमा में आरक्षित खुली ज़मीनें कुछ अधिकारी-कर्मचारियों की मिलीभगत से भू-माफ़ियाओं ने हड़प लीं, इस पर कभी कार्रवाई नहीं होती।

इसके अलावा, नगरपालिका सीमा के ३२ सरकारी दफ़्तरों पर पालिका का लगभग पौने ३ करोड़ रुपये का कर बकाया है। इसे कब वसूल किया जाएगा, यह सवाल सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गणेश धवले लिंबागणेशकर ने उठाया है। उन्होंने ज़िला प्रशासन और नगरपालिका प्रशासन के विरोध में मंगलवार को ज़िलाधिकारी कार्यालय के सामने लक्ष्यवेधी आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

उद्यान और मंदिर के लिए आरक्षित खुली ज़मीन हड़पने वालों पर कार्रवाई कब?

प्लॉटिंग और निर्माण कार्य के दौरान उद्यान और मंदिर के लिए आरक्षित शहर की खुली ज़मीनें, नगरपालिका, नगररचनाकार और भूमि अभिलेख विभाग के कुछ अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से भू-माफ़ियाओं ने ग़लत तरीक़े से अपने नाम करवा ली हैं। यहाँ तक कि नक़ली पीटीआर और पीआर कार्ड भी तैयार कर लिए गए हैं। इस मामले में कब कार्रवाई होगी, यह सवाल भी डॉ. गणेश धवले ने उठाया है.

बीड़ नगरपालिका क्षेत्र में ज़िलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, महावितरण, ज़िला न्यायालय, बीएसएनएल और अन्य सरकारी कार्यालयों पर पालिका का कुल २ करोड़ ८७ लाख रुपये का कर बकाया है। इसमें पुलिस अधीक्षक और ज़िलाधिकारी कार्यालय जैसे प्रमुख दफ़्तर भी शामिल हैं। डॉ. गणेश धवले का कहना है कि नगरपालिका इसे कब वसूल करेगी या फिर सिर्फ़ ग़रीब जनता पर कार्रवाई करने में ही अपनी ताक़त दिखाती रहेगी?

डॉक्टर आमिर इनामदार की ऐतिहासिक उपलब्धि, बीड का नाम महाराष्ट्र मे बुलंद किया

बीड संवाददाता

बीड जिले ने एक बार फिर पूरे महाराष्ट्र में गर्व से सिर ऊँचा किया है। डॉक्टर आमिर इनामदार, MBBS, MD (मेडिसिन), कंसल्टेंट फिजिशियन एवं डायबेटोलॉजिस्ट, एलीट केयर हॉस्पिटल, बशीरगंज, बीड, ने चिकित्सा क्षेत्र में ऐसा मुकाम हासिल किया है जो पूरे मराठवाड़ा और महाराष्ट्र के लिए गौरव का विषय है।

देश के शीर्ष चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में गिने जाने वाले अमृता इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (AIMS), कोची, केरल में उन्ह् क्लिनिकल हीमैटोलॉजी जैसे उच्चस्तरीय सुपर-स्पेशलिटी पाठ्यक्रम के लिए उनका चयन हुआ है। इस कोर्स में पूरे भारत में केवल ३७ सीटें हैं, और प्रवेश पाना किसी भी डॉक्टर के लिए सम्मान और चुनौती दोनों होता है।

डॉ. इनामदार ने NEET सुपर स्पेशलिटी परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन कर ऑल इंडिया कोटे से यह सफलता प्राप्त की। यह उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन और पेशे के प्रति समर्पण की मिसाल है।

पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद वे मराठवाड़ा के पहले मुस्लिम हीमैटोलॉजिस्ट और बोन मैरो ट्रांसप्लांट फिजिशियन होंगे। इसका लाभ क्षेत्र के हजारों मरीजों को मिलेगा, जिन्हें अब अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक अपने ही इलाके में उपलब्ध हो सकेगी।

डॉ. आमिर इनामदार ने कहा -

यह सफलता सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि पूरे बीड जिले और मराठवाड़ा की है। रक्त रोगों और बोन मैरो ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में आधुनिकतम तकनीक सीखकर, मैं अपने क्षेत्र के मरीजों को विश्वस्तरीय सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। उनकी इस सफलता ने बीड का नाम न केवल महाराष्ट्र, बल्कि पूरे देश में बुलंद कर दिया है।

दैनिक तामीर परिवार की ओर से डॉ. आमिर इनामदार को इस ऐतिहासिक सफलता पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

मस्तक में पुस्तक जबतक ना हो कामयाबी नहीं मिलती: पलक मंत्री गुलाबराव पाटिल

तालीम के बिना ज़िन्दगी मौत है: राष्ट्रीय अध्यक्ष मुफ्ती मोहम्मद हारून

जलगांव (तामीर न्यूज)

कुरआन में रोज़ा नमाज़ हज ज़कात तमाम से पहले अल्लाह ने पढ़ का हुकम दिया, सबसे पहले तालीम हासिल करने का हुक्म दिया गया है, इसलिए तरक्की इज़्ज़त शोहरत ज़िंदगी का असल मज़ा और मक़सद सब इल्म में है, इल्म के बिना ज़िन्दगी मौत है, हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे दीन दुनिया आख़िरत दोनों जहां में कामयाब हो, ऐसी बहुत ही अहम बातें मुस्लिम खाटीक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुफ्ती मोहम्मद हारून नदवी ने खटीक समाज के तकसीम ए इनामात के प्रोग्राम में कही, इस शानदार प्रोग्राम की अध्यक्षता जलगांव जिले के पलक मंत्री गुलाबराव पाटिल ने की, उन्होंने भी अपने अध्यक्षीय भाषण में बच्चों को शिक्षण की अहमियत बताते हुए अपनी ज़िंदगी की कुछ अहम बातें कही और कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर कहते थे कि इन्सान के मस्तक में जबतक पुस्तक ना हो कामयाबी नहीं मिलती, यानि किताब से इल्म से अपना नाता जोड़ो, पढ़ो आगे बढ़ो, उन्होंने इस मौके पर खाटिक समाज को शादी हॉल के लिए २० लाख निधी का ऐलान किया और शहर के विधायक राजू मामा ने १० लाख इस तरह ३० लाख रुपए तक मदद का ऐलान किया और समाज को तालीम में आगे बढ़ने की सलाह दी, राजू मामा, विष्णु भंगाले ने भी ज़ोरदार बात कही और बच्चों को शिक्षण की ओर लेजाने पर खाटिक समाज को सलाह दी, इस मौके पर अब्दुल करीम सालार और एजाज मलिक ने भी मुख्तसर बयान दिया और समाज में काम करने वाले लोगों को हौसला दिया, समाज के महाराष्ट्र अध्यक्ष यूसुफ भाई, ज़िला अध्यक्ष अनवर खटीक ने भी मुबारकबाद पेश किया, इस मौके पर खलील सर, शकील सर, अफसर सर यानी एजुकेशन प्रोग्रेसिव फाउंडेशन के तमाम ज़िम्मेदार मौजूद थे, और जलगांव तहसील के ज़िम्मेदारों कासिम पहलवान, रईस खटीक, शरीफ लाडजी, अलताफ पुढारी, खलील शेरा, महमूद खटीक, डॉ रिज़वान, रेहान निसार खटीक, हाजी इब्राहिम सेठ, हाजी हकीम यावल, और सभी ज़िम्मेदार बड़ी तादाद में शरीक थे, मेहमानों के हाथों से अच्छे नंबरों से कामयाब होने वाले तमाम बच्चों को ट्रॉफी सर्टिफिकेट्स देकर सत्कार सम्मान किया गया, समाज के तमाम ज़िम्मेदार इनकी मेहनतों से कार्यक्रम बेहद कामयाब रहा।

कबूतरों के लिए ज़रूरत पड़ी तो हाथ में हथियार भी उठाएँगे : जैन मुनि की चेतावनी

जमीर काज़ी

मुंबई

कबूतरों को सार्वजनिक स्थानों पर दाना-पानी खिलाने पर हाईकोर्ट का प्रतिबंध आदेश होने के बावजूद जैन समाज का विरोध जारी है। इस मुद्दे पर तनाव बरक़रार है और अब इस विवाद में जैन मुनियों ने भी कूद पड़ी है। मुंबई महानगरपालिका और पुलिस की कार्रवाई के विरोध में १३ अगस्त से आंदोलन शुरू किया जाएगा। ज़रूरत पड़ी तो कबूतरों को बचाने के लिए हाथ में हथियार भी उठाएँगे - ऐसी चेतावनी जैन मुनि निलेशचंद्र विजय ने रविवार को दी।

मुंबई उच्च न्यायालय ने दादर स्थित कबूतरखाना परिसर में पक्षियों को दाना-पानी देने पर पाबंदी लगाई है। पुनर्विचार याचिका खारिज करते हुए अदालत ने दादर कबूतरखाना के पास तंबू हटाने वालों और कबूतरों को दाना-पानी देने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश महापालिका और पुलिस को दिए हैं। इसके बाद महानगरपालिका द्वारा जुर्माने की कार्रवाई शुरू की गई, जिससे जैन समाज और आक्रामक हो गया है। अदालत के आदेश के बावजूद जैन समाज के कुछ लोगों ने दादर कबूतरखाना के पास कबूतरों को दाना डाला, जिस पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर उन्हें रोका। इसके बाद समाज ने १३ अगस्त से कबूतरखाना बंद करने के निर्णय के विरोध में अनशन शुरू करने की चेतावनी दी है।

रविवार को कबूतरखाना के पास पहुँचे जैन मुनि निलेशचंद्र विजय ने कहा कि वे इस निर्णय के खिलाफ़ लड़ेंगे। उन्होंने कहा, कबूतर ज़िंदा रहने चाहिए। इसके लिए हम शांतिपूर्ण तरीक़े से सत्याग्रह और उपवास करेंगे। जैन समाज शांतिप्रिय है और हथियार उठाना हमारा काम नहीं है, लेकिन धर्म की रक्षा के लिए ज़रूरत पड़ी तो हम हथियार भी उठा सकते हैं। हम भारत का संविधान मानते हैं, कोर्ट को मानते हैं, देवेंद्र फडणवीस को मानते हैं, लेकिन अगर कोई हमारे धर्म के ख़िलाफ़ जाता है तो हम कोर्ट को भी नहीं मानेंगे।

उन्होंने आगे कहा, यह मामला अभी अदालत में है और कबूतर मरने नहीं चाहिए। सरकार के आदेश के बाद भी पक्षियों को दाना-पानी देना शुरू हुआ है। यह सब चुनाव को देखते हुए हो रहा है। हमारे पर्युषण पर्व के बाद हम अगला निर्णय लेंगे। अब हम चुप नहीं बैठेंगे। १३ अगस्त से हम उपवास शुरू करेंगे। देशभर से जैन भाई आंदोलन में शामिल होने यहाँ आएँगे। जीवन दया हमारे धर्म में है, फिर जैन धर्म को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है? मैं अकेला आंदोलन में नहीं बैठूँगा, बल्कि देशभर से १० लाख जैन भाई यहाँ उपवास करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा, शराब और मुर्गा खाकर कितने लोग मरते हैं, यह भी दिखाना चाहिए। हमने पालिका से कबूतरों को दाना-पानी देने की अनुमति मांगी है। हमारे धर्म में चींटी से लेकर हाथी तक, किसी भी जीव को मरना नहीं चाहिए।

उनके इस बयान से अब नया विवाद भड़कने की संभावना है। इस पर अब मनसे और ठाकरे गुट की क्या भूमिका होगी, इस पर सबकी नज़र है।

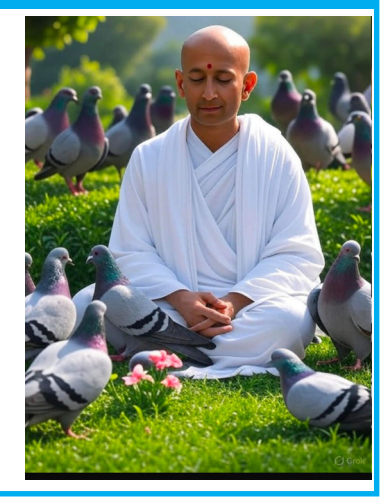

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

ट्रैफिक जाम में एम्बुलेंस फँसने से पति की आँखों के सामने पत्नी की मौत

जमीर काज़ी
मुंबई, १० अगस्त

महानगर में ट्रैफिक की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। हाईवे के साथ-साथ शहर के भीतर भी हालात खराब हैं। हाल ही में ठाणे-घोड़बंदर हाईवे पर गड्ढों के कारण हुए ट्रैफिक जाम में एम्बुलेंस फँस जाने से ४९ वर्षीय महिला की मौत हो गई। मृतका का नाम छाया कौशिक पुरव (४९) है, जो पालघर तहसील के सफाले, मधुकर नगर की निवासी थीं। ७० किलोमीटर का सफर तय कर अस्पताल पहुँचने में एम्बुलेंस को पूरे ४ घंटे लग गए, जिसके चलते घायल महिला ने अपने पति की आँखों के सामने बिना इलाज के दम तोड़ दिया। इस घटना से क्षेत्र के लोगों में गहरी संवेदना और ट्रैफिक समस्या को लेकर भारी आक्रोश है।

छाया पुरव के ऊपर पेड़ की डाल गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। उनकी पसलियाँ, कंधे और सिर पर गहरी चोट लगी थी। चूँकि पालघर में ट्रॉमा सेंटर नहीं है, इसलिए स्थानीय अस्पताल ने उन्हें मुंबई के हिंदुजा अस्पताल ले जाने की सलाह दी। लगभग १०० किलोमीटर की दूरी तय करने में सामान्यतः २.५ घंटे लगते हैं, इसलिए डॉक्टरों ने उन्हें बेहोशी की दवा देकर दोपहर ३ बजे एम्बुलेंस से रवाना किया। उस समय उनके पति, कौशिक पुरव, साथ थे।

लेकिन एम्बुलेंस मुंबई-अहमदाबाद मार्ग पर ट्रैफिक जाम में फँस गई। शाम ६ बजे तक तीन घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी आधा रास्ता भी तय नहीं हुआ था। बेहोशी की दवा का असर कम होने पर छाया पुरव को असहनीय दर्द होने लगा और उनकी हालत बिगड़ने लगी। उन्हें तुरंत इलाज दिलाने के लिए एम्बुलेंस को हिंदुजा अस्पताल से लगभग ३० किलोमीटर दूर मीरा रोड स्थित ऑर्बिट अस्पताल ले जाया गया। लेकिन वहाँ पहुँचने में भी एक घंटा लग गया। तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जाँच कर उन्हें मृत घोषित कर दिया।

डॉक्टरों ने बताया कि अगर उन्हें सिर्फ ३० मिनट पहले अस्पताल पहुँचा दिया जाता, तो उनकी जान बच सकती थी। पत्नी के निधन से सदमे में आए कौशिक पुरव ने कहा - पत्नी को बचाने के लिए बहुत कोशिश की, लेकिन ट्रैफिक जाम के कारण सभी प्रयास विफल हो गए। रास्ते में बहुत गड्ढे थे, जिससे उन्हें बहुत दर्द हो रहा था। वह रोते-चिल्लाते मुझसे बार-बार कह रही थीं कि जल्दी अस्पताल पहुँचाओ, लेकिन हम फँस गए थे। कई वाहन गलत दिशा से आ रहे थे, जिससे जाम और बढ़ गया और अंत में हमें उन्हें खोना पड़ा।

पिंपलवंडी क्षेत्र में तेंदुए का आतंक

पिंपलवंडी, १० (वार्ताहर)

पाटोदा तालुका के पिंपलवंडी और शिरूर तालुका के पांगरी, जाटनांदुर, खोपटी इलाके में तेंदुए की गतिविधियां बढ़ गई हैं। शनिवार (९ तारीख) को तेंदुए ने एक बकरी का शिकार किया। किसानों के मवेशियों पर हमले कर उन्हें घायल या मार देने की घटनाएं लगातार हो रही हैं, जिससे किसानों में दहशत फैल गई है और तेंदुए को पकड़ने की मांग उठ रही है।

पिंपलवंडी के किसान अशोक बाजीराव पवार रोज़ की तरह ९ तारीख को कुंभारदरा क्षेत्र में बकरियां चराने गए थे। दोपहर करीब २:३० बजे तेंदुए ने अचानक एक बकरी पर हमला कर दिया, जिसमें बकरी मौके पर ही मर गई। इस घटना से अशोक पवार को लगभग ३० हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने वन विभाग को इसकी जानकारी देते हुए आवेदन दिया है और मुआवजे की मांग की है।

पिंपलवंडी, जरेवाड़ी, बेदरवाड़ी, सरदवाड़ी, चंद्रेवाड़ी, धोपटवाड़ी, डोंगरकिन्ही, खोपटी और पांगरी का यह पहाड़ी इलाका तेंदुओं की बढ़ती संख्या का गवाह बन रहा है। अगर तेंदुओं की संख्या इसी तरह बढ़ती रही, तो किसानों के सामने मवेशियों को तेंदुए के हमले से बचाना एक बड़ी चुनौती बन जाएगी और दूध देने वाले पशु पालना भी मुश्किल हो जाएगा। किसानों का कहना है कि वन विभाग को ठोस कदम उठाकर किसानों के पशुधन की सुरक्षा करनी चाहिए और उन्हें राहत प्रदान करनी चाहिए।

भक्ति मार्ग पर चलने के लिए जात-धर्म की आवश्यकता नहीं-पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर

बीड, ०९ (प्रतिनिधि) - जिले में जहां-जहां किले और संस्थान हैं, वहां लाखों की संख्या में लोग वारकरी संप्रदाय के भक्ति मार्ग पर दिखाई देते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि भक्ति मार्ग पर चलने के लिए जात-धर्म की आवश्यकता नहीं है। गोरक्षनाथ टेकड़ी का विकास हो रहा है और इसके लिए बड़े पैमाने पर निधि की जरूरत है। बीड जिले के प्रत्येक किले और संस्थान का विकास होना ही चाहिए, ऐसा प्रतिपादन पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने किया।

स्व. किसन बाबा महाराज की २७वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में ढेकणमोहा के पास स्थित श्रीक्षेत्र संस्थान गोरक्षनाथ टेकड़ी में अखंड हरिनाम सप्ताह का आयोजन किया गया था। शनिवार को ह.भ.प. संजय महाराज पाचपोर के काल्याचे कीर्तन से सप्ताह का समापन हुआ। इस अवसर पर पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर, सांसद बजरंग सोनवणे, युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर, प्रा. जगदीश काळे, विलास बडगे, दिनकर कदम, अरुण डाके, गंगाधर घुमरे, गणपत डोईफोडे, सुभाष क्षीरसागर, सखाराम मस्के, अरुण बोंगाणे, ह.भ.प. हरिदास जोगदंड समेत अनेक मान्यवर उपस्थित थे।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने मठाधिपति नवनाथ बाबा का आशीर्वाद लिया और कहा कि बारिश के बावजूद लाखों भक्तों की भीड़ गोरक्षनाथ टेकड़ी पर मौजूद है, इससे इस टेकड़ी का महत्व स्पष्ट होता है। गोरक्षनाथ के सान्निध्य से पवित्र हुए इस क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास करना जरूरी है। सत्ता में रहते हुए हमने सभी आवश्यक सुविधाएं दिलाने का प्रयास किया। सत्ता हो या न हो, देवस्थान के विकास के लिए हम लगातार प्रयास करते रहते हैं। वर्तमान जनप्रतिनिधियों को भी आगे आकर जिले के हर किले और संस्थान का विकास करना चाहिए। यह हमारी धरोहर है और इसका संरक्षण करना हर किसी का कर्तव्य है।

वारकरी संप्रदाय द्वारा दिया गया मूल मंत्र सबके मन में है। आज रक्षाबंधन होने के बावजूद महिलाओं ने बड़ी संख्या में यहां उपस्थिति दर्ज की। भक्ति मार्ग पर चलने के लिए जात-धर्म की आवश्यकता नहीं है। जीवन में हम क्या कमाते हैं, यह हर किसी को सोचना चाहिए, ऐसा कहकर उन्होंने सभी भक्तों को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विष्णु महाराज लांडे, गोरख दन्ने, यादव सुरवसे, हनुमान देवकते, रामा भोगे, बालाप्रसाद जाजू, ओमप्रसाद खवतड, संदीप डावकर, नारायण माने, बंडू गाडीवान, नवनाथ घोडके, विक्रम करांडे, बंडूपंत लांडे, विष्णूपंत काळे, नागेश शिंदे, राजेंद्र पवार, नारायण देवकते, महादेव थापडे, बाजीराव पवार, देवराव घोडके, सोमनाथ माने समेत अनेक श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी मा. प्रा. डॉ. संतोषजी शिंदे की उपस्थिति में बीएसपी की बीड जिला समीक्षा बैठक सम्पन्न

बीड प्रतिनिधि - दिनांक १० अगस्त २०२५ को बीड जिला बहुजन समाज पार्टी की संगठन समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में महाराष्ट्र प्रदेश के उपाध्यक्ष एवं राज्य प्रभारी मा. प्रा. डॉ. संतोषजी शिंदे ने विधानसभाओं के पदाधिकारियों के कार्यों का आकलन किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जिला परिषद एवं पंचायत समिति के चुनावों में बहुजन समाज पार्टी जिले की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने जिले की सभी विधानसभाओं में गांव स्तर तक पार्टी संगठन को गंभीरता से मजबूत करने पर जोर दिया।

डॉ. शिंदे ने कहा कि महापुरुषों की विचारधारा से जनता को जागरूक करके सत्ता तक पहुंचाने वाला दल बहुजन समाज पार्टी है। देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद से अब तक के इतिहास पर नज़र डालें तो अमीर और अधिक अमीर होते गए हैं, जबकि गरीब और अधिक गरीब होते जा रहे हैं। इसके लिए पूरी तरह से शासन और प्रशासन जिम्मेदार है। वास्तव में शासन और प्रशासन पूरे जनता के लिए होना चाहिए, लेकिन वर्तमान में यह गरीबों की बजाय पूंजीपतियों के पक्ष में दिखाई देता है।

उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में जब-जब बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनी, तब-तब गरीबों के हित में कार्य किए गए। इसी कारण बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती जी की लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनना तय है।

इस बैठक में साहित्यरत्न अण्णाभाऊ साठे की जयंती भी मनाई गई। इस अवसर पर बसपा के महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव मा. एल.बी. इंगळे, प्रदेश सचिव अनिरुद्ध रणवीर, तथा ज़ोन प्रभारी एवं बीड जिला प्रभारी गौतम उजगरे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का प्रास्ताविक जिलाध्यक्ष प्रशांत वासनिक ने किया, संचालन जिला प्रभारी संजय हराळ ने किया, और आभार प्रदर्शन बीड विधानसभा अध्यक्ष रजनीकांत वाघमारे ने किया।

बीडकर और पूरी भाजी

अगर बीड़ का कोई आदमी दुनिया में कहीं भी किसी होटल में गया, तो सुबह के नाश्ते के लिए उसकी पहली पसंद हमेशा पूरी भाजी ही होगी।

अगर उसके साथ दूसरे दोस्त हों, तो वे इडली-सांभर, डोसा, उत्तप्पा, पोहे वगैरह मंगवाएँगे, लेकिन पक्का बीडकरी तो पूरी भाजी ही ऑर्डर करेगा।

और हाँ... बात यहीं खत्म नहीं होती। पूरी भाजी के साथ भजी (पकौड़ी) और कढ़ी भी आनी ही चाहिए। ये सब परोसने के बाद अगर प्याज भूल जाएँ, तो फिर उसकी कोई माफी नहीं।

हम बीडकरों के लिए पूरी भाजी सुबह का सिर्फ नाश्ता नहीं, बल्कि अपनापन और एक त्योहार जैसा है।

जैसे मुंबई में वड़ा पाव, पुणे-नाशिक में मिसळ पाव मशहूर है, वैसे ही बीड में होटल के नाश्ते में असली बीडकरी की पहली पसंद पूरी भाजी ही रहती है।

असल में, ये मेन्यू बीड के होटलों में नाश्ते के लिए कब से आया, ये तो पता नहीं, लेकिन मुझे याद है कि बशीरगंज, बीड में आपका होटल हुआ करता था, जहाँ की पूरी भाजी प्रसिद्ध थी। बचपन में मैं पिताजी के साथ कई बार वहाँ खा चुका हूँ। पिताजी हमेशा मुझे साथ ले जाते और वहाँ भजी और कढ़ी तो पक्की मिलती थी।

भाजी में भजी को मसलकर डालना और फिर वेटर से ऊपर से रस्सा (ग्रेवी) मांगना - ये हुनर पिताजी ने ही सिखाया था।

बाद में अन्य होटलों ने भी यह भाजी बनाने का कौशल अपनाया और यह पूरी भाजी हमारे बीडकरों की एक पहचान बन गई।

आगे चलकर सिटी होटल, धोंडीपुरा की चंपावती, मोंढा, नयी भाजी मंडी, नगर रोड, सावतामाळी चौक और अन्य होटलों में भी सुबह के समय अलग-अलग स्टाइल में पूरी भाजी मिलने लगी - वो भी कम दाम में और पूरे मन से।

हाल के वर्षों में, पूरी भाजी के साथ भजी, कढ़ी और पापड़ तो आते ही हैं, अब तो मसाला राइस भी साथ में दिया जाने लगा है।

नई भाजी मंडी रोड पर स्थित होटल एशियाना में तो सुबह ६ बजे से दोपहर ३ बजे तक हमेशा पूरी भाजी मिलती है।

पिछले करीब ४५ सालों से धोंडीपुरा के सराफ लाइन के कोने पर स्थित रईस होटल में तो आज भी सुबह ७ से ११ बजे तक बेहतरीन पूरी भाजी मिलती है। इन ४ घंटों में यहाँ पूरी भाजी प्रेमी ग्राहक अपने नंबर का इंतज़ार करते दिखाई देते हैं।

आज जहाँ दूसरी जगहों पर पूरी भाजी अलग-अलग थालियों में परोसी जाती है, वहीं रईस होटल में अब भी पूरी एक कटोरी में और भाजी दूसरी कटोरी में दी जाती है। फिर भी यहाँ की स्वादिष्ट पूरी भाजी खाने लोग बड़े चाव से आते हैं। एक बार सुबह ११ बज गए तो उसके बाद यहाँ पूरी भाजी नहीं मिलती।

प्रसिद्ध लेखक पु. ल. देशपांडे ने एक बार कहा था - होटल में पूरी को हल्के-हल्के दबाकर उसका तेल निकालकर पूरी भाजी खाने में जो मज़ा है, वो किसी और चीज़ में नहीं।

ये अनुभव सुबह के नाश्ते में सिर्फ बीड में ही मिलता है।

और हाँ... आप बीड में सुबह-सुबह कहीं भी नाश्ता कर लीजिए, आपको इतनी अदब से पूरी भाजी परोसी जाएगी, जैसे अगर आप होटल आना बंद कर दें तो होटल ही बंद हो जाएगा। नमक से लेकर पापड़ तक आपकी सेवा होगी।

पूरी भाजी के साथ इतना सम्मान और मेहमाननवाज़ी सिर्फ बीडकरी और बीड में ही मिलती है।

संयुक्त लेखन -
अनंत सुतनासे (निरक्षराचे शब्द...),
एस. एम. युसूफ (मुक्त पत्रकार)

'उद्धव ठाकरे से भी चुनाव से पहले मिले थे वे लोग' - पवार के बाद संजय राउत का सनसनीखेज दावा

जमीर काज़ी, मुंबई

विधानसभा चुनाव से पहले मुझे दिल्ली में दो लोगों ने १६० सीटें जिता देने की गारंटी दी थी - इस खुलासे के बाद, जो वरिष्ठ नेता और कांग्रेस के संस्थापक अध्यक्ष शरद पवार ने किया था, महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मच गई है। अब शिवसेना (ठाकरे गुट) के नेता एवं सांसद संजय राउत ने रविवार को इस बयान की पुष्टि करते हुए एक और बड़ा दावा किया है। राउत ने कहा कि पवार से मिलने वाले वही लोग उद्धव ठाकरे से भी मिले थे और उन्होंने हमें ६० से ६५ कठिन सीटें जिता देने का वादा किया था।

पत्रकारों से बातचीत में राउत ने कहा,

कल शरद पवार ने जो मुद्दा उठाया कि चुनाव से पहले कुछ लोग उनसे मिले और कहा कि १६० सीटें जिता देंगे, बस एक निश्चित रकम दें। अब मैं इससे भी आगे जाकर कह रहा हूं कि यही लोग उद्धव ठाकरे से भी मिले थे। ये लोग लोकसभा और विधानसभा, दोनों चुनावों से पहले मिले थे। हमने उन्हें साफ कहा कि हमारा भरोसा लोकतंत्र पर है। देश का माहौल देखते हुए हमें विश्वास था कि लोकसभा हम १००% जीतेंगे - और सचमुच महाराष्ट्र में हमने सफलता हासिल की। इसलिए हमें चुनाव में इस तरह की गड़बड़ी से जीतने की ज़रूरत नहीं थी।

उन्होंने आगे कहा,

विधानसभा चुनाव से पहले ये लोग फिर आए। हमने कहा कि लोकसभा में तो हम जीत चुके हैं, विधानसभा में भी

जीतेंगे। तब उन्होंने कहा कि आपकी जो ६०-६५ सीटें कठिन लग रही हैं, उनके नाम बताइए - हम आपको उन्हें ईवीएम के ज़रिए जिता देंगे। हमने कहा कि इसकी ज़रूरत नहीं है। लेकिन उन्होंने इतना भी कहा कि भले ही आपको ज़रूरत न लगे, लेकिन जो वर्तमान में सरकार में हैं, उन्होंने इस तरह की योजना ईवीएम और मतदाता सूची में गड़बड़ी के माध्यम से लागू की है, इसलिए हमें आपका हारना दिख रहा है - हम मदद कर सकते हैं। इसके बावजूद, हमारा भरोसा चुनाव प्रणाली, चुनाव आयोग और लोकतंत्र पर था।

राउत ने यह भी कहा कि,

दुर्भाग्य से, जो शरद पवार कह रहे हैं और उद्धव ठाकरे से जो लोग मिले थे - उनकी बातों में तथ्य हो सकता है।

शरद पवार ने क्या कहा था?

नागपुर में शनिवार को शरद पवार ने कई चौंकाने वाले दावे किए थे। उन्होंने कहा,

विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद, दिल्ली में मुझसे दो लोग मिलने आए थे। अभी उनके नाम-पते मेरे पास नहीं हैं। उन्होंने कहा - हम आपको २८८ में से १६० सीटें जिता देंगे। लेकिन उस समय मेरे मन में चुनाव आयोग को लेकर कोई संदेह नहीं था, इसलिए मैंने इसे नज़रअंदाज़ किया। ऐसे लोग मिलते रहते हैं, इसीलिए मैंने ध्यान नहीं दिया। बाद में मैंने उन लोगों की मुलाकात राहुल गांधी से कराई। उन्होंने अपनी बात राहुल गांधी के सामने रखी। लेकिन लोकतंत्र पर भरोसा होने के कारण, हमने दोनों ने ही इसे नज़रअंदाज़ किया और जनता के बीच जाकर वोट मांगने का रास्ता चुना। लेकिन गुरुवार को दिल्ली में राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद यह घटना फिर याद आई। राहुल ने बहुत मेहनत कर, विस्तृत अध्ययन के बाद, वोट चोरी का मुद्दा सामने रखा था।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com